Title: Need to connect Chitrakut in U.P. by air.

श्री राम संजीवन (बांदा) : महोदय, उत्तर प्रदेश में चित्रकूट एक प्रसिद्ध एवं प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है। यहां पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रीगण अैंते-जाते रहते हैं। प्रतिमाह पांच छः दिनों तक यात्रियों की भारी भीड़ रहती है। परन्तु यैंतायैंत के साधनों की कमी के कारण दूर-दूर के लोगों की बड़ी असुविधा होती है। इसलिए चित्रकूट में एक हवाई अड्डा का निर्माण कराकर यात्री विमान की सुविधा प्रदान की जाए। देवांगना की पर्वतीय घाटी के ऊपर कई मील लम्बा जौड़ा मैदान (पाठा) हवाई अड्डे के निर्माण के लिए सबसे अधिक उपयुक्त स्थान होगा, क्योंकि वहां पर सरकारी सड़क पहले से बनी हुई है। उसी सड़क पर हवाई अड्डा आसानी से बनाया जा सकता है और चित्रकूट को हवाई सेवा से जोड़ा जा सकता है। दिल्ली से आगरा, खजुराहो, बनारस(वाराणसी) और काठमांडों तक दैनिक विमान सेवा उपलब्ध कराई जा सकती है। ठीक उसी रास्ते में खजुराहो से चित्रकूट सौ किलोमीटर है तथा चित्रकूट से वाराणसी करीब दो सौ किलोमीटर की दूर पर है तथा वाराणसी से काठमांडो उससे भी अधिक दूरी पर है। अभी जो विमान रोजाना दिल्ली से खजुराहो जाता है वही विमान चित्रकूट, वाराणसी होते हुए, काठमांडो तक जाएगा और उसी दिन काठमांडो से वाराणसी, चित्रकूट खजुराहो और आगरा के रास्ते दिल्ली पहुंच सकता है। इलाहाबाद अथवा सतना को उक्त विमान सेवा से जोड़ने की कोई मांग जैंनता द्वारा नहीं उठाई जा रही है। इसलिए इलाहाबाद अथवा सतना को उक्त विमान सेवा से जोड़ने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता ।

अतः देशी व विदेशी पर्यटको / यात्रियों की सुविधा के लिए चित्रकूट में एक हवाई पट्टी बनाई जाए। दिल्ली-आगरा-खजुराहो-चित्रकूट-वाराणसी-काठमांडो को विमान सेवाओं से जोड़ते हुए एक नया मार्ग निर्धारित किया जाए।